पुस्तकालय - ज्ञान संसाधन केंद्र

पुस्तकालय को ज्ञान का भण्डार कहा जा सकता है जहाँ पुस्तकें एवं अन्य सामग्रियाँ अर्जित, वर्गीकृत एवं संग्रहित की जाती हैं। इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता है और छात्रों को मांग पर या प्रत्याशा में जारी किया जा सकता है। जैसा कि भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन ने कहा था - "पुस्तकालय एक शैक्षणिक संस्थान का दिल है।" पुस्तकालय का उद्देश्य पुस्तकों, पत्रिकाओं और अन्य पठन सामग्री जैसे विभिन्न माध्यमों से सभी तक ज्ञान पहुंचाना है। पुस्तकालय का मुख्य उद्देश्य ज्ञान और सूचना तक पहुंच प्रदान करना है। इस मिशन को पूरा करने के लिए, हमारा पुस्तकालय पुस्तकों, पत्रिकाओं, संदर्भ पुस्तकों, समाचार पत्रों और

अन्य पठन सामग्री का एक मूल्यवान और विशाल संग्रह संरक्षित करता है। हमारे पुस्तकालय का संग्रह गतिशील है और उसका दृष्टिकोण कभी भी स्थिर नहीं रहता। उपयोगकर्ताओं का समय बचाने के लिए यह पूरी तरह से स्वचालित है और **ई-ग्रन्थालय लाइब्रेरी ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर** का उपयोग करके लेनदेन उत्पन्न किया जाता है।

पुस्तकालय विवरण

- रचनात्मक और आलोचनात्मक सोच वाला कोना
- कैरियर और मार्गदर्शन कॉर्नर
- शिक्षक का कोना
- डिजिटल लाइब्रेरी
- बुक बैंक
- कंप्यूटर की संख्या – 07
- पुस्तकालय स्टाफ की संख्या – 01
- क्रमांक निष्क्रिय पैनल - 01
- प्रोजेक्टर की संख्या – 01
- लाइब्रेरी बुक सेल्फ की संख्या - 32
- विद्यार्थियों के बैठने की क्षमता की संख्या - 40

पुस्तकालय सांख्यिकी

कुल संख्या. उपलब्ध पुस्तकों की संख्या = 7066

कुल संख्या. पाठ्य पुस्तकों की संख्या = 1009

कुल संख्या. सन्दर्भ पुस्तकों की संख्या = 337

कुल संख्या. सामान्य पुस्तकों की संख्या =3023

फिक्शन (हिन्दी)=1295

फिक्शन (अंग्रेजी)=1022

नॉन फिक्शन (हिन्दी)=218

नॉन फिक्शन(अंग्रेजी)=565

कुल संख्या. उपयोक्ताओं की संख्या=2300

कुल संख्या. निराई-गुड़ाई का=425